

गदरपुर और दिनेशपुर में प्रकाश जोशी ने की नुक्कड़ सभाएं

गदरपुर/दिनेशपुर (उद संवाददाता)। कांग्रेस प्रत्याशी प्रकाश जोशी ने रविवार को गदरपुर विधानसभा ग्रोवर बारात घर में न्याय सम्मेलन के तहत जनसभा को संबोधित कर कांग्रेस के पक्ष में बोट करने की अवश्य देगी। इस दौरान आप जिलाध्यक्ष सुभाष व्यापारी, गदरपुर पूर्व संवाददाता।

सदस्य सुमन सिंह, सुभाष बेहड़ सहित तमाम कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ सभा की। कहा कि इस बार जनता बोटों से सबकी गलत फहमी दूर करेगी और कांग्रेस प्रत्याशी को अपना आशीर्वाद देगी। इस दौरान आप जिलाध्यक्ष सुभाष व्यापारी, गदरपुर पूर्व

नयल, जगदीप सिंह, दीपक चक्रवर्ती, नासिर हुसैन, आतिफ, पंकज, गैनक, श्याम सिंह, विमल, नैन चन्द सुमिलन मंडल समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। दिनेशपुर- कांग्रेस प्रत्याशी प्रकाश जोशी ने गदरपुर विधानसभा अंतर्गत कई स्थान पर नुक्कड़ सभा

पूर्व विधायक प्रेमानंद महाजन तथा प्रदेश मंत्री ममता हालदार सहित तमाम कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ नुक्कड़ सभा की। नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से व्यापक चुनावी जनसंपर्क किया। कांग्रेस प्रत्याशी प्रकाश जोशी ने कहा कि नैनीताल संसदीय क्षेत्र के

बताना चाहिए। उन्होंने कहा कि न ही युवाओं को गोजगर मिल सका न ही उत्तरांचल की महिलाओं का सम्मान हुआ। हर तरफ उदासीनता ही नजर आ रही है। ममता हालदार ने कहा कि गदरपुर विधानसभा क्षेत्र की जनता लंबे समय से मूलभूत सुविधाओं से वर्चित वोटों से सबकी गलतफहमी दूर करेगी और कांग्रेस प्रत्याशी को अपना आशीर्वाद अवश्य देगी। पूर्व विधायक प्रेमानंद महाजन, ममता हालदार, आप जिला अध्यक्ष सुभाष व्यापारी, तारक बाछाड़, विकास सरकार, के गोबा, विरेन्द्र मंडल, मंगल ढाली, नारायण



तिलकराज बेहड़, जसपुर विधायक नगर अध्यक्ष सिद्धार्थ भुसरी, तारक बाछाड़, विकास सरकार, केके गोबा, महाजन, प्रदेश अध्यक्ष युवा कांग्रेस सुमित्र भुल्लर, प्रदेश महामंत्री ममता हालदार, अशुतोष राय, नियंत्र घरामी, हलदार, अनिल सिंह, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता भीम टुकराल, खेत्र पंचायत

नगर अध्यक्ष सिद्धार्थ भुसरी, तारक बाछाड़, विकास सरकार, केके गोबा, महाजन, प्रदेश अध्यक्ष युवा कांग्रेस सुमित्र भुल्लर, प्रदेश महामंत्री ममता हालदार, अशुतोष राय, नियंत्र घरामी, हलदार, अनिल सिंह, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता भीम टुकराल, खेत्र पंचायत

की। विधानसभा के चक्की मोड कस्बे से दिनेशपुर कांग्रेस कार्यालय तथा गदरपुर में चुनावी नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया। गदरपुर और दिनेशपुर में जीतेंगे हम के संकल्प के साथ कांग्रेस प्रत्याशी प्रकाश जोशी ने

सांसद जो वर्तमान में भाजपा के सांसद जो वर्तमान में भाजपा के खोये विकास को वापस लायेंगी। पूर्व विधायक प्रेमानंद महाजन ने कहा कि हिसाब को सार्वजनिक करना चाहिये। उनके द्वारा जो गाँव गोद लिया गया उसकी वर्तमान स्थिति को भी

है। जनता कांग्रेस को जीताकर गदरपुर हालदार, अशुतोष राय, नियंत्र घरामी, सुमित्र भुल्लर, किशोर हालदार, ओमपाल सिंह, नियंत्र मंडल, लक्ष्मी राय, चंदन सिंह नयाल, जगदीप सिंह, दीपक चक्रवर्ती, सुमिलन मंडल समेत भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा धर्म की नहीं मानवता की राजनीति करती है: पाण्डे डा. अंबेडकर की जयंती मनायी

गदरपुर(उद संवाददाता)। गदरपुर बूथ संख्या 68, 69 आजादनगर में अल्पसंख्यक मोर्चे द्वारा आयोजित बूथ मीटिंग को संबोधित करते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री विधायक अरविंद पाण्डेय ने कहा कांग्रेस का कोई नेता बुरे वक्त में साथ खड़ा नहीं होता पीछे कोई बयान दे सकता है लेकिन हमदर्दी में कभी खड़ा नहीं हो सकता। भारतीय जनता पार्टी का छोटे कार्यकर्ता से लेकर प्रधानमंत्री तक जनता के लिए काम करता है बयानों की राजनीति नहीं करता। स्पष्ट कहा कि आपने बार बार विधायक इसीलिए मुझे बनाया है कि मैं आपके हर सुख और दुख में हमेशा बराबर से खड़ा रहा हूं। हमारे अल्पसंख्यक समाज के नेता जुल्फकार अली एक दिन मुस्लिम समाज में छाया देने वाला पौधा बनेगा। अरविंद पाण्डेय ने कहा हमने मोरी के नारे सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास पर काम किया है हिंदू मुस्लिम सिख ईसाई

की राजनीति हम नहीं करते। हम धर्म की राजनीति नहीं करते। राजनीति करते हैं तो बस मानवता की राजनीति करते हैं। यही कारण है कि आप सब लोगों के बीच हमेशा से खड़ा रहा हूं और हमेशा खड़ा रहा है। इस अवसर पर भाजपा को वर्तमान में भाजपा के खोये विकास को बढ़ावा देकर उलझाने का काम करती है सुलझाने का काम नहीं करती। विकास की बात नहीं करती। इस अवसर पर अतुल पांडे, अंजार हुसैन, नजीर सकलैनी,

वोट और सहयोग जरूरी है। इस अवसर पर भाजपा नेता जुल्फकार अली ने कहा कि हमारी राजनीति का मकसद विचारों की लडाई है जिस पार्टी ने भेदभाव किया वो पार्टी पिछले दस साल में तेजी से विलुप्त होती जा रही है। कांग्रेस ने झूटे खबाब दिखाकर मुस्लिम लोटों को छला है। हमारे समाज के गरीब लोग कांग्रेस के शासन में तरक्की न कर सके साफ कहा कांग्रेस महलों में गहने वाले लोगों की बपौती बन गई है। कांग्रेस मुस्लिम

रासम सकलैनी, रिजवान पाशा, मेहबूब, अफनान, शाकिर, आबिद सकलैनी, शानू, सैफ अली, नकुआ, फारुख, फहद, असद, ईस अहमद, नजाकत अली, सजिद पाशा, बाबू, सद्माम, आजम आदि बहुत से लोग मौजूद थे।

सबसे महत्वपूर्ण बताते हुए कैसे राष्ट्रहित में कार्य किया जाए जैसी बातें हमें बाबा साहब से सीखनी चाहिए जो सर्विधान उनके द्वारा बनाया गया वही आज भारतवर्ष की रीढ़ बना है जिस पर प्रत्येक भारतवासी पूर्ण विश्वास रखता है। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष सुरेश खुराना, महेंद्र कालरा, ज्योति अरोड़ा, परमजीत सिंह पम्मा, मनोज गुंबर मिंटू सुभाष गुंबर, राजेश हितकारी, मनोज शर्मा, मनी भुसरी, अरविंद पाल, कुणाल रस्तोगी, प्रभु शरण सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



अग्निशमन सेवा सप्ताह का किया शुभारंभ कांग्रेस प्रत्याशी ने किंच्चा में निकाला जोरदार रोड शो

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। पुलिस उपमहानिरीक्षक, अग्निशमन एवं आपात सेवा उत्तरांचल देहरादून, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद उथम सिंह नगर एवं मुख्य अग्निशमन अधिकारी जनपद उथम सिंह नगर के आदेशानुसार आज 14 अप्रैल से 20 अप्रैल 2024 तक अग्निशमन सेवा सप्ताह मनाये जाने के क्रम में अग्निशमन अधिकारी रुद्रपुर गिरीश सिंह बिष्ट द्वारा फायर स्टेशन रुद्रपुर पर समस्त कर्मचारियों को फालिन कर स्मृति परेड का आयोजन किया गया वहां मिनट का मौन धारण कर शहीद अग्निशमन कर्मचारियों को श्रद्धालुजित अर्पित की गयी। जिसके पश्चात उनके

द्वारा अग्निशमन वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर अग्नि सुरक्षा के लिए जनमानस को अग्नि सुरक्षा के लिए जनजागरूक करते हुए पम्पलेट वितरित कर व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया।

जनमानस को अग्नि सुरक्षा के लिए जनजागरूक करते हुए पम्पलेट वितरित कर व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया।

किंच्चा (उद संवाददाता)। नैनीताल उथम सिंह नगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद पद के कांग्रेस प्रत्याशी प्रकाश जोशी ने अपना चुनावी प्रचार तेज करते हुए ग्रामीण क्षेत्र का व्यापक दैरा किया तथा आम जनता से भेंट कर कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने की अपील की। नगर क्षेत्र में दर्क रोड चौराहे से लेकर बड़िया बाईपास तक एक विशाल रोड शो कर शक्ति प्रदर्शन किया। कांग्रेस प्रत्याशी प्रकाश जोशी के रोड शो में नगर क्षेत्र के विभिन्न समुदायों के सैकड़ों लोगों ने शिरकत की। रोड शो का जगह-जगह व्यापक स्वागत किया गया। इस दौरान प्रकाश जोशी के रोड शो का स्वागत करते हुए युवा कांग्रेसियों द्वारा जबरदस्त आतिशबाजी की गई। दरअे चौराहे से ही प्रकाश जोशी के काफिले में युवा कांग्रेसियों सहित मुख्य कांग्रेसी भी

व्यापारियों की कठपुतली बनकर रह गई है जिस वजह से महांगई बेरोजगारी चरम सीमा पर है। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक तिलक राज बेहड़ ने कहा कि वह अपने विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी प्रकाश जोशी को भारी बहुमत से विजयी व्यापारियों की कठपुतली बनकर रह गई है जिस वजह से महांगई बेरोजगारी चरम सीमा पर है। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक तिलक राज बेहड़ ने कहा कि वह अपने विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी प्रकाश जोशी को भारी बहुमत से विजयी व्यापारियों की कठपुतली बनकर रह गई है जिस वजह से महांगई बेरोजगारी चरम सीमा पर है। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक तिलक राज बेहड़ ने कहा कि वह अपने विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी प्रकाश जोशी को भारी बहुमत से विजयी व्यापारियों की कठपुतली बनकर रह गई है जिस वजह से महांगई बेरोजगारी चरम सीमा पर है। इस अवसर पर क्षेत्रीय

सड़क दुर्घटना में घायलों का जाना हाल

खटीमा (उद संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता दान सिंह रावत एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रमेश चंद्र जोशी ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन में मौजूद बस चालकों एवं स्थानीय एनजीओ के सदस्यों का हाल-चाल जाना। सुबह एक एनजीओ के कुछ बच्चे पिकनिक मनाने जा रहे थे। रास्ते में उनके वाहन की टक्कर



दुर्घटनाग्रस्त के बारे में पता चला उन्होंने सरकारी अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल-चाल जाना एवं हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने सरकारी अस्पताल पहुंचकर घायल एनजीओ के बच्चों का हाल-चाल जाना एवं उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेकर हर संभव

सहाय्य का आश्वासन दिया।
रेश उप्रूढ़ कालोनी
30 से 60 तक चौड़ी शटकें,
बड़े-बड़े पार्क, गैट बंद कालोनी
90 प्रतिशत तक ऋण सुविधा,
सीवरेज, स्ट्रीट लाइट

जेसीबी से झोपड़ी तोड़ने का आरोप

दिनेशपुर (उद संवाददाता)। एक महिला ने थाने में तहरीर देकर एक व्यक्ति पर जेसीबी मशीन से उसकी झोपड़ी तोड़ने के बाद सारा घरेलू सामान साथ ले जाने और उनके आवासीय प्लाट पर जुताई करने का आरोप लगाया है। तहरीर में महिला ने कहा कि रविवार की दोपहर वह बच्चों के साथ पड़ोस के गांव में एक धार्मिक कार्यक्रम में गई थी। उनकी गैरमैजूदगी में एक व्यक्ति लाठी डन्डों से लैस एक दर्जन से अधिक लोगों के साथ उनके घर पहुंचे और जेसीबी मशीन से उनकी झोपड़ी को तोड़कर आवासीय प्लाट की जुताई कर दी। कहना है कि हमलावर घर सारा सामान साथ ले गए। मौके पर घटनाक्रम का वीडियो बनाने वाले आसपास के लोगों को हमलावरों ने धमकी भी दी। थानाध्यक्ष नंदन सिंह रावत का कहना है कि वे पक्षों में आवासीय प्लाट को लेकर विवाद का मामला है, जांच की जा रही है, जांच के बाद मामले में कारबाई होगी।

घर में खड़ी मोटरसाईकिल चोरी

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। ट्रॉजिट कैम्प क्षेत्र में गत रात्रि घर में खड़ी मोटरसाईकिल अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया। नारायण कालोनी लमरा निवासी विशाल पुत्र विद्याराम का कहना है कि उसने अपनी मोटरसाईकिल संचया यूके 06 एन 1449 को 13 अप्रैल की रात्रि अपने घर में छोड़ा किया था। आज प्रातः जब उठकर बाहर आया तो देखा उसकी मोटरसाईकिल वहाँ मौजूद नहीं। काफी खो जबीन करने के बाद भी बाईक का कोई पता नहीं चल पाया।

डायनामिक गार्डन सिटी टोमर कंस्ट्रक्शन

श्री राधा स्वामी सत्संग घर गेट नं. 7 के सामने किंच्चा रोड, रुद्रपुर
मोबा. 9557222289, 7088169159

क्या अंग्रेजी ब्राइंस आपका सोग ठीक करने में नाकाम हैं तो मिलें-

विजय आयुर्वेद क्लीनिक पंचकर्म सेन्टर

निम्न सोगों के इलाज में 16 वर्षों का अनुभव:-
पार्किंसन्स, अल्जाइमर, मानसिक विकार, जिसन्टाल स्ट्री-पुरुष की स्त्री विकितसार्य, द्रुत ब्लॉक, सिस्ट, शक्तिशुद्धि की कमी आदि। डिस्क प्रोलैप्स सर्वाईकल, गठिया, घुटने का दर्द, फिङ्नी रोग (डायलिसिस से पहले)
लीकर सिरेसिस, हैपेटाइटिस B&C, Fatty Liver प्रोस्टेट रोग
असाध्य एवं लाइलाज रोगियों की विकितसा शुद्ध आयुर्वेदिक पच्चति द्वारा की जाती है।

DR. VIJAY PRAKASH MISHRA

M.D. (Ayurveda)

Mob.: 9410897970

DR. ASHWINI MISHRA

M.D. (Ayurveda)

स्त्री एवं त्वचा रोग

मिलने का समय : प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक (शुक्रवार अवकाश)

घोट्टन राजभ्री के सामग्रे, गली नं. 2, डॉक्टर्स कालोनी
डी । डी 2 सिविल लाइन, रुद्रपुर (कृष्ण सिंह नगर) उत्तराखण्ड

- ⇒ 100 से 400 गज तक के प्लाट
- ⇒ 100,160, 200 गज विला
- ⇒ खरीदने व बेचने हेतु सम्पर्क करें।

किंच्चा में मतदेय स्थलों का डीएम ने किया निरीक्षण



किंच्चा (उद संवाददाता)। जिला निर्वाचन अधिकारी उदयराज सिंह नोडल कार्मिक मनीष कुमार ने विधायिका अंतर्गत विभिन्न मतदेय स्थलों का किया निरीक्षण। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के दृष्टिगत शनिवार को जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा विधानसभा किंच्चा क्षेत्र अंतर्गत बुथ संचया-37 व 38-राज.प्रा. विद्यालय चुटकी देवरिया, एवं बुथ संचया 109, 110, 112 रा. प्रा. वि.

छिनकी के बूथों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने पोलिंग बूथों पर सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाएं (एमएफ) यथा बिजली, पानी, शौचालय, रैम्प, कुर्सी, मेज, पंखा आदि व्यवस्थाएं, पोलिंग बूथों पर पोलिंग पार्टियों हेतु रहने-खाने आदि अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित बीएलओं को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा संबंधित बीएलओं से पोलिंग बूथों पर

गत चुनावों में हुए मतदान प्रतिशत, नए बोर्ड कार्ड एवं मतदाता पहचान पर्ची वितरण की जानकारी लेते हुए आज ही सभी मतदाता पर्चियों को वितरित करने के निर्देश दिये। सेक्टर मजिस्ट्रेट और बीएलओं को चुनावी प्रक्रिया में मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर स्वीप गतिविधियों आयोजित कर मतदान हेतु प्रेरित कर अधिक से अधिक मतदान करवाने को कहा गया। इसके साथ ही जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदेय स्थलों पर बूथ हेल्प डेस्क, वेब कास्टिंग और बूथ काउंटर को लेकर सहायक निर्वाचन अधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। गत साथ ही बुजुर्ग व दिव्यांग मतदाता को प्राथमिकता से मतदान करने के भी निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान सहायक निर्वाचन अधिकारी कौस्तुभ मिश्र, बीएलओ मुनी बिष्ट, हेमा पाण्डे, नीति मौर्या, कलावती मौर्या, नीतू मौर्या आदि उपस्थित थे।

बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर को किया नमन

गूलरभोज (उद संवाददाता)। भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 133 वीं जयंती पर आयोजित समारोह का आयोजन सरस्वती शिशु मंदिर गूलरभोज में किया गया। मुख्य अतिथि विधायक अराविंद पांडे ने डॉ. भीमराव अंबेडकर को नमन करते हुए उनके जीवन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व पुलिस महानिरीक्षक पूरन सिंह रावत ने की। इस अवसर पर अनीता दुबे, नजमा बेगम, तरुण दुबे, अतुल पांडे, जय राम राजभर, राम कुमार यादव, हरीश छाबडा, कुलदीप रघुवंशी, संजीव भटेजा, मनोज देवराडी, किशोर सामंत बाबू सिंह तोमर, सतीश चूध, इंद्र सिंह मेहता, नंदन सिंह, रमेश कुमार, बाबूराम, गुरमेल सिंह, रवि सिंह वर्धन, लखविंदर सिंह लक्खा, विकास सागर, महेश सागर, सुनील सागर, सुनील सागर आदि उपस्थित थे।



बाबा साहब की धूमधाम से मनाई जयंती

काशीपुर (उद संवाददाता)। सर्विधि कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती यहाँ क्षेत्र में तमाम स्थानों पर धूमधाम से मनाई जा रही है। टांडा उज्जैन के जाटव सभा में प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी अंबेडकर अंतर्गत बुथ संचया-37 व 38-राज.प्रा. विद्यालय चुटकी देवरिया, एवं बुथ संचया 109, 110, 112 रा. प्रा. वि.

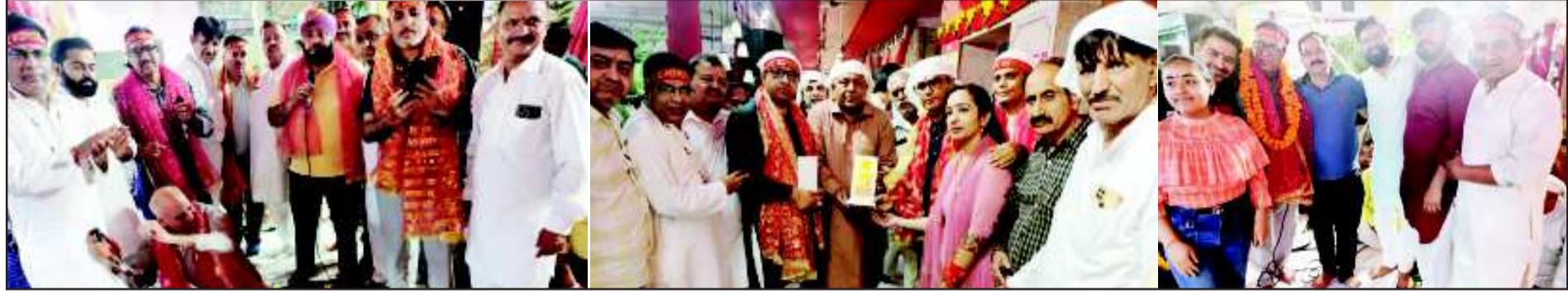
में संबोधन करते हुए कहा कि डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। इस दौरान स्कूली छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति कर मौजूद लोगों को मन्त्र मुक्त कर लिया। कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति के गीत व नाटक की प्रस्तुति भी दी गई। डॉक्टर अंबेडकर द्वारा संविधान में सामाजिक न्याय का जो ढांचा बनाया गया था उस सामाजिक न्याय पर आज देश काम कर रहा है, उन्होंने संविधान में कर्तव्य और अधिकारों का बोध कराया। कार्यक्रम के अंत में धंडारा किया गया। इस दौरान भारी तादाद में स्थानीय लोगों के अलावा देशों ने अपने संविधान बनाए। डॉ अंबेडकर ने समाज के उन लोगों के लिए कार्य जो तिरिकार के रूप में रहते थे, आज समाज में बहुत बड़ा बदलाव है। डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के विषय

पूर्वांचल समिति ने सेवानिवृत अध्यापक को किया सम्मानित नाकमता (उद संवाददाता)। पूर्वांचल सेवा समिति ने राजकीय 30 मा० वि०) विचुवा से सेवानिवृत अध्यापक राजाराम यादव के शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। दहला रोड पर आयोजित कार्यक्रम में पूर्वांचल समिति के अध्यक्ष विरेन्द्र तिवारी के नेतृत्व में पूर्वांचल समुदाय के लोगों ने राजाराम यादव के अध्यापक कार्य की सराहना करते हुये उनके शिक्षण कार्य को याद करते हुये कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में खासकर विचुवा जैसे पिछड़े क्षेत्र में शिक्षा की अलंक जगाकर छात्र-छात्राओं के बीच अपनी छाप छोड़ी है। इस भौतिक पर

सुख और समृद्धि का पर्व है ब

माता के भजनों पर भक्ति में झूमे भक्तजन

नवरात्रि पर्व के छठे दिवस पर गत रात्रि श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में पपू चावला के भजनों की धूम



रुद्रपुर (उत्तर संवाददाता)। पावन नवरात्रि पर्व के छठे दिवस पर गत रात्रि श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में श्री सनातन धर्म सभा द्वारा आयोजित माता का चौकी में भजन गायक कलाकारों ने कई भजन सुनाये गये। जिन्हें सुनकर उपस्थित सभी भक्तजन मां के जयघोषों के साथ मां की महिमा का गुणगान करते रहे। सर्वप्रथम मंदिर के पर्जनी ब महंत राजीव कवकड़

द्वारा जजमान संदीप विजन व ईशा विजन परिवार से विधि विधान से पूजा अर्चना कराई गई। जिसके बाद अमित अरोरा व रेमेश शरोटर द्वारा गुरु बंदना, मां का आहवान, गणेश बंदना के साथ फूलों की वर्षा कराई गई। तत्पश्चात भजन गायक मुग्रादाबाद से आये पप्पू चावला ने मां के कई भजन सुनाकर भक्तजनों को भक्ति में डिप्पते पर मजबूत कर दिया। उन्होंने मेरा किसे न बी न पृछया हाल मां मैनू तेरा सहारा मां, लखड़ा पापी तर गये मैनू बी तार मां, तेरे बिना किसे ना पृछना हाल मां, आंसुओं का पी लेंगे हाठों को सी लेंगे, जिस हाल में रखे मां उस हाल में जी लेंगे, मैं मैं छोड़ मां मां बोल, मां तेरा नाम बड़ा अनमोल, गली गली होका देवे मैया दा फकीर, मांवां नूं पुरत देवे भैया नू बीर, मैनू लखड़ी बंधन दा चाह इक बीर देवे

दातिए, दूबते को तिनके का सहारा म
तेरा अच्छा है दरबार तुम्हारा आदि भजन
सुनाकर उपस्थित भक्तों को इम्पकर नाच
को मजबूत कर दिया। अंत में आरती के बाबा
प्रसाद वितरित किया गया। जिसमें प्रसाद
फल की सेवा कपि अरोरा परिवार ने, दूध
की सेवा मनोज मुंजल व विशाल भुट्टड़
ने, पंच मेवा की सेवा ओमप्रकाश कालड़ी
चिरग कालड़ी ने की। इस मौके पर श्री

सनातन धर्म सभा अध्यक्ष महेश बब्बर, महामंत्री, ओमप्रकाश अरोरा, राकेश सुखीजा, अमित अरोरा, विजय विरमानी, राजेश छावड़ा, गौरव तनेजा, चिराग कालड़ा, अमित चावला, शिवम जग्गा, रोहित जग्गा, राजन राठौर, आनन्द कुमार, मनोज मुंजाल, विशाल भुट्टी, हरीश अरोरा, नरेश छावड़ा, मोहत बत्रा, विजय जग्गा, सुनील दुकराल, नरेश ग्रेवर, हरीश गुंबर, नरेन्द्र अरोरा, कमल, जितेन्द्र जीतू, शशि अरोरा, सीमा दुनेजा, पिंकी ग्रोवर, दीपक अरोरा, सोनिया अरोरा, किरन जग्गा, सोनिया सुखीजा, साक्षी सुखीजा, बिट्टू ग्रोवर, विजय चिलाना, राजेन्द्र खनीजो, बब्बा आनन्द, सनी सुखीजा, हैप्पी छावड़ा, मुकेश अग्रवाल, सुरेन्द्र मिड्डा, सुनील चुघ, सतनाम सिंह, रेनू अरोरा, पंकज बांगा, राजकुमार सीकरी, ओम प्रकाश, आकाश कटारिया, दीपक गुगलानी, संजय दुकराल, आशा ग्रेवर, पूजा बांगा, रानो छावड़ा, सचिन मुंजाल, दीपक चौधरी, अमन दुकराल, सनू वर्मा, सरेश जग्गा आदि श्रद्धाल मौजूद थे।

भागवत कथा में किया श्रीराम की लीलाओं का वर्णन

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। पावन नवारात्रि पर्व पर श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में श्री सनातन धर्म सभा द्वारा आयोजित श्री मद् भागवत कथा के दौरान गत दिवस कथा व्याप्त आचार्य देशमुख वशिष्ठ जी महाराज ने श्री राम कथा के मार्मिक व ज्ञानवर्धक प्रसंगों से अद्भुतालों को भावविभोर कर दिया।

उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से श्री राम जी ने अपने चरित्र की पवित्रता से पर्यादा पुरुषोत्तम की उपाधि प्राप्त की कथा व्यास ने कथा में केवल लीला का वर्णन हुए सामाजिक समरसता का उपदेश दिया। इस मौके पर श्री सनातन धर्म सभा अध्यक्ष महेश शर्मा बब्बर, महारामत्री, ओमप्रकाश अरोरा, राकेश

अरोरा, सीमा टुनेजा, पिंकी ग्रोवर
दीपक अरोरा, सोनिया अरोरा, किरण
जग्गा, सोनिया सुखीजा, साक्षि
सुखीजा, बिट्टू ग्रोवर, विजय चिलान
राजेन्द्र खनीजो, बब्बा आनन्द, सनं
सुखीजा, हैप्पी छावडा, मुके श
अग्रवाल, सुरेन्द्र मिडडा, सुनीत
चुध, रेनू अरोरा आदि मौजूद थे।



**भाजपा का संकल्प पत्र है मोदी
की लिखित गारंटी: वेद ठुकराल**

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। लोकसभा चुनाव के लिये भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। भाजपा संकल्प पत्र समिति के नैनीताल उधम सिंह नगर लोकसभा संयोजक वेद ठुकराल ने संकल्प पत्र को प्रधानमंत्री मोदी

की लिखित गारंटी बताते हुए कहा कि अब पूरे देश को मोदी की लिखित गारंटी मिल गई है। श्री तुकराल ने कहा कि संकल्प पत्र में भाजपा ने अगले पांच साल तक 'फी राशन देने का ऐलान किया है। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से हर महीने मुफ्त बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। जिससे बिजली बिल जीरो हो जाएगा। एक करोड़ ग्रामीण महिलाओं को लखपति दीदी बनाकर सशक्त करने के बाद अब 3 करोड़ महिलाओं के लखपति बनाने का लक्ष्य है। औद्योगिक और व्यवसायिक क्षेत्र में कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल का निर्माण किया जाएगा। जिसमें शिशुगृह की सुविधा होगी। भाजपा ने संकल्प लिया है कि 70 साल से ऊपर के हर वृद्ध को आयुष्मान योजना के दायरे में लाया जाएगा। उन्हें पांच लाख रुपये तक मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी। भाजपा ने समाज नारायणिक मंडित को भी देंगे जिसमें लापा करने का फैसला लिया है।



भुलाया नहीं जा सकता बाबा साहब का योगदानः शिव

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। सविध
न निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर
की जन्म जयंती के अवसर पर क्षेत्रीय
विधायक शिव अरोड़ा ने मुख्य बाजार
स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर
उनको नमन किया, विधायक शिव
अरोड़ा ने कहा बाबा साहब भीमराव
अंबेडकर ने देश को ऐसा मजबूत
संविधान दिया है जिसकी चर्चा विश्व
पटल पर सदैव होती रही है। भारत का
संविधान हम सभी के लिए एक

A photograph showing a group of men standing behind a white metal railing. One man in an orange shirt is looking towards the camera, while another man in a pink shirt is pointing his finger upwards. They appear to be at an event or gathering.

शोषित वंचित पिछड़ों को समाज के मुख्य धारा से जोड़ने के लिए हमेशा सड़क से लेकर संसद तक आवाज उठाने वाले को आज पूरा देश या करता आ रहा है। उनका अतुल्य योगदान व देश को दिए ऐसे मजबूत संविधान को लेकर हम सदैव याद कर रहेंगे। इस दौरान कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा उपेंद्र चौधरी भाजपा नेता सुरेश कोली, सौन अनेजा, सुरेश शर्मा, दीपक सागर, राहुल सागर और विजय बत्तूर आदि द्वारा पैनडूर तरे

धूमधाम से मनाई गयी भारत रत्न अवॉडकर की जयंती

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। भारत
रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर की 133वीं
जयंती के अवसर पर डॉ भीमराव
अंबेडकर नव युवा मंच द्वारा भव्य शोभा
यात्रा का आयोजन बड़े ही धूमधाम से
किया गया। शोभा यात्रा के मुख्य अतिथि
पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद पांडेय सहित
निवर्तमान मंडी परिषद के अध्यक्ष
कमलंद्र सेमवाल, युनिटी लॉ कालेज के
प्राचार्य डॉ कुंदन सिंह राठौर और वरिष्ठ
समाज सेवी सर्जीव गुप्ता ने संयुक्त रूप
से बाबा साहब भीमराव अंबेडकर और

महात्मा बुद्ध के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ञलित और माल्यार्पण कर नमन किया। तत्पश्चात कार्यक्रम संयोजक दीपक सागर और संगठन द्वारा मुख्यातिथि विधायक गदरपुर अरविंद पांडेय को शाल ओढ़ाकर और पृष्ठ गुच्छ देकर सम्मानित कर उन्हे स्मृति चिन्ह भेंट किया और इसी सम्मान समारोह को आगे बढ़ाते हुए डॉ ०५ कुंदन सिंह गठौर, कमलेंद्र सेमवाल, संजीव गुप्ता, केपी गंगवार, जोगेंद्र चौहान, अजय पाल, संजय भारती को स्मृति चिन्ह और शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

तत्पश्चात् मुख्यातिथि गदरपु विधायक
अरविंध पांडे ये ने झाँकियों का फीता
काटकर शोभा शुभारंभ किया। जिसका
संचालन शैलेंद्र कोली ने किया। शोभा
यात्रा हासमंडी से बालाजी द्वार से अग्रसेन
चौक, बाटा चौक होते हुए भगत सिंह चौक
पहुंचकर गल्ला मंडी होते हुए पांच मंदिर
के सामने से अंबेडकर जी की प्रतिमा पर
समापन हुआ। शोभा यात्रा में देश भक्ति
के ओट-प्रोत झाँकियां और बाबा सहब
और महात्मा बुद्ध की मनमोहक झाँकियां
में जगह जगह आतिशबाजी के साथ साथ

पुष्प वर्षा भी की गई साथ ही जय भी के उद्घोष से बातावरण भीमय हो गया। अंबेंडकर चौक पर हतुआ और खीर के प्रसाद भी वितरित किया गया। इस मौके पर मुख्यातिथि विधायक अरविंद पांडे ने बाबा साहब को नमन करते हुए कहा कि भारतीय संविधान के निर्माता शिल्पकार और देश के दलितों एवं पिछड़ी वर्ग के लोगों के मसीहा डॉ. भीमराव अंबेंडकर की जयंती पर मैं कोटि कोटि नमन करता हूँ बाबासाहेब के नाम से मशहूर अंबेंडकर ने अपना पूरा जीवक

भारतीय समाज के पिछड़े वर्गों, दलितों और गरीबों के उत्थान के लिए न्योशावर कर दिया। वह एक प्रच्छात्र अर्थशास्त्री, कानूनविद और राजनेता थे। उन्होंने सामाजिक न्याय व सामाजिक असमानता के खिलाफ ही लड़ाई लड़ी। इस मौके एडवाकोट अशोक सागर, निवर्तमान पार्षद रंजीत सागर, राजू राजोरिया, गोपाल भारती, कपिल सिंह, कोली समाज के प्रदेश अध्यक्ष हिम्मताराम कोली, विश्वाहिंदू परिषद के नगर अध्यक्ष जोगेंद्र चौहान, अजय पाल, गौरक्षा दल के अध्यक्ष विराट आर्य, वर्दे मातरम गुप्त के अध्यक्ष संजय भारती, योगी सेना के जिला अध्यक्ष चंद्रपाल कोली, दर्शन कोली, इडवाकट सुशील सागर, रामचंद्र सागर, बंटी राजोरिया, ज्ञान चंद्र, कमल कोली, प्रदीप सागर, अमन सागर, मुकुल सागर, सुशील सागर, राजीव सागर, राजू सागर, हरीश सागर, नन्हे सागर, मनोज गुप्ता, कमलदीप सोनकर, पृथ्वीराज कोली, त्रिलोक कोली, अजय कोली, मुनी देवी, सरिता देवी सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।



सांसद निधि को लेकर बड़ी रार, कांग्रेस प्रत्यारी जोशी ने दिए आंकड़े

बोले सांसद अजय भट्ट की अक्षमता एवं निष्क्रियता इससे होती है प्रमाणित

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। नैनीताल उथम सिंह नगर से कांग्रेस प्रत्याशी प्रकाश जोशी द्वारा मौजूदा सांसद एवं भाजपा प्रत्याशी अजय भट्ट पर पूरी सांसद निधि खर्च नहीं किए जाने संबंधी विज्ञापन में गलत तथ्य प्रस्तुत करने का आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग में शिकायत करना भाजपा प्रत्याशी अजय भट्ट को भारी पड़ गया है। आज कांग्रेस प्रत्याशी प्रकाश जोशी ने सांसद निधि से संबंधित तथ्य पेश करते हुए चुनाव आयोग को जहां अपना जवाब भेजा तो वहां दूसरी ओर उहाँने कहा कि भाजपा प्रत्याशी अजय भट्ट चुनाव आयोग में शिकायत कर स्वयं अपने जाल में फंस गए हैं। श्री जोशी ने चुनाव आयोग को आज विस्तृत जवाब प्रस्तुत करते हुए एवं केंद्र सरकार के सार्वियकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग को वेबसाइट पर अद्यतन किया गया आधिकारिक शासकीय आंकड़े जारी किया करते हुए एवं इस संबंध में प्रकाशित खबरों की प्रति के साथ चुनाव आयोग को अपना जवाब प्रस्तुत किया। भाजपा

MINISTRY OF STATISTICS AND PROGRAMME IMPLEMENTATION, GOVT. OF INDIA									
MEMBERS OF PARLIAMENT LOCAL AREA DEVELOPMENT SCHEME									
S.No.	MLP's Name and Constituency	Balances of Constituency (Rs.Crores)	Fund Released by G.O.I. (Rs.Crores)	Amount available in account (Rs.Crores)	Constituency concerned by Member of Parliament for various LSP/STATE works (Rs.Crores)	Amount Received (Rs.Crores)	Expenditure incurred (Rs.Crores)	Balance of LSP/STATE Works (Rs.Crores)	Amount released
1	Ajay Tiwari ALMORA(H)	10.000000	9.36000000	9.35700000	9.180000	9.361000	9.347000	99.600000	1.14000000
2	Rakesh Pratap Singh KALYANpur	11.000000	7.89000000	7.88140000	7.384000	7.384000	5.230000	75.800000	1.85740000
3	Ajay Kumar RATHORE UJJAIN SHOBHANAGAR	21.000000	7.89000000	7.88470000	8.000000	7.880000	7.847100	98.780000	8.81780000
4	Shabir Khan Lala TIRHUPUR	21.000000	6.30000000	6.28330000	20.000000	6.944000	6.938700	96.120000	1.22140000
5	Tarun Singh Rawat GARHWAL	17.000000	7.89000000	7.25430000	1.840000	6.274000	4.386000	56.880000	2.98560000
Total		81.000000	46.00000000	41.39800000	42.7600	40.845000	39.971000	94.00	8.81720000

सरकार के आंकड़े यह साबित करते हैं कि श्री अजय भट्ट द्वारा 17 करोड़ की कुल सांसद निधि में से केवल 8 करोड़ के ही प्रस्ताव भेजे गए जिसमें से मात्र

7 करोड़ के कार्य की स्वीकृति प्रदान कि गई और इतनी ही राशि रिलीज हुई है। इन आंकड़ों के सामने आने से कांग्रेस प्रत्याशी श्री भट्ट ने कांग्रेस द्वारा अखबारों में प्रकाशित विज्ञापनों में सांसद निधि समेत अन्य आरोपों को असत्य एवं तथ्यहीन बताते हुए चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई थी जिस

पर आयोग ने कांग्रेस प्रत्याशी को 48 घण्टे में जवाब दाखिल करने हेतु नोटिस दिया था। कांग्रेस प्रत्याशी जोशी ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा जारी किए गए आंकड़ों से अजय भट्ट की अक्षमता एवं निष्क्रियता प्रमाणित हो जाने के बाद उहाँने क्षेत्र की जनता से माफी मांग लेनी चाहिए। उन्होंने एक बार फिर श्री भट्ट को केंद्रीय मंत्री रहते हुए उनकी 8 असफलताओं पर सार्वजनिक बहस की खुली चुनौती दी है।

हरिनाम संकीर्तन में प्रसंग सुनकर श्रद्धालुओं के छलके आंसू

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। श्री श्री राधा गोविंद मंदिर आई ब्लॉक जी ट्रॉजिट कैप में सार्वजनिक श्री श्री अखंड महानाम संकीर्तन समिति द्वारा आयोजित सार्वजनिक श्री श्री अखंड महानाम संकीर्तन एवं विशाल भंडारा के दूसरे दिन आमत्रित कीर्तन मंडलियों अनिमा संप्रदाय (वारासात, कोलकाता), भाई बुन बाउल संप्रदाय (छत्तीसगढ़), राधा गोविंद संप्रदाय (महाराष्ट्र), लक्ष्मी नारायण संप्रदाय (न्यूरिया, उप्र), राधा राधे संप्रदाय (मियापुर, उप्र) व राधा कृष्ण संप्रदाय (दिनेशुर) द्वारा किए जा रहे हरिनाम संकीर्तन में कई ऐसे प्रसंग सुनाए गए जिन्हें सुनकर उपस्थित श्रद्धालुओं की आंखों से अश्रुओं की धारा फूट पड़ी और वह गायक कलाकारों के साथ ही पास बैठे लोगों के गले मिलकर रोने लगे। यह दृश्य देखकर सभी की आंखों से आंसू छलकने लगे। संकीर्तन मंडलियों द्वारा आगामी 18



अप्रैल दिन बृहस्पतिवार को प्रातः 6 बजे तक निरंतर क्रमवार महानाम संकीर्तन किया जायेगा। साथ ही आयोजन स्थल पर भंडारा जारी रहेगा। आज भी प्रातः से ही मरिद में सेकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया था। जो हरिनाम कीर्तन सुनकर भक्ति में पूरी तरह से मग्न हो गए। इस देखते हुए

समिति सार्वजनिक श्री श्री अखंड महानाम संकीर्तन समिति के अध्यक्ष परिमल राय, उपाध्यक्ष सुबीर दास, शकर विश्वास, सचिव कृष्ण पद विश्वास, पिंटू राय, उप सचिव विजय साना, कोषाध्यक्ष केना मंडल, उप कोषाध्यक्ष विश्वजीत मंडल, संगरक्षक दिलीप अधिकारी, उत्तम दत्ता, तरुण तक निरंतर क्रमवार महानाम संकीर्तन किया जायेगा। साथ ही आयोजन स्थल पर भंडारा जारी रहेगा। आज भी प्रातः से ही मरिद में सेकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया था। जो हरिनाम कीर्तन सुनकर भक्ति में पूरी तरह से मग्न हो गए। इस देखते हुए

कराटे परीक्षण एवं ब्लैक बेल्ट की परीक्षा संपन्न



उन्होंने बताया कि कुछ बच्चों ने शनादर प्रदर्शन करके ब्लैक बेल्ट कीती जिसमें पायल मेहता, जानवी जोशी, किरण तिवारी, मानस उपाध्याय, जिजासा उपाध्याय, बरखा लूपी शामिल हैं। इनको सियान योगेंद्र चौहान नाम प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया और उन्जवल भविष्य के लिए ज्यादा से ज्यादा मैडल जीतकर उद्घाटन मुख्य अतिथि देवेंद्र सिंह बिष्ट

एवं राजेंद्र सिंह कियूरा प्रो. ऑफ उत्तराखण्ड ओपन यूनिवर्सिटी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में 50 विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिसमें अनेक खोज भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन समाज सेविका श्रीमती नीरज बोरा ने किया। इस मौके पर इंटरेनेशनल बिलाडी चेतन भट्ट, कनिका जोशी, फरीन सैफी, काव्यांजलि बिष्ट, वीरेंद्र बेस्ट आदि लोग उपस्थित थे।

गदरपुर(उद संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष गुंजन सुखीजा ने ग्राम हरिपुरा गणेशपुर भाव नगला सहित गदरपुर आवास विकास में कार्यकर्ताओं के साथ डोरे टू डोरे अधियान चलाकर चुनाव प्रचार किया जिसमें आगामी 19 अप्रैल को नैनीताल उथम सिंह नगर लोकसभा से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी अजय भट्ट के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान करवा कर उनको विजय बनाने का निवेदन किया। चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुए गुंजन सुखीजा ने कहा कि इस चुनाव प्रचार का मकसर केवल अजय भट्ट को जिताना ही नहीं बल्कि मतदान प्रतिशत को बढ़ाना भी है। तो पहले मतदान फिर जलापान की भावना रखते हुए प्रत्येक श्केत्रवासी 19 अप्रैल को अधिक से अधिक विजय बताना चाहिए।



के मतदान करवाएं जिससे श्केत्रीय विकास के साथ-साथ मतदाताओं के विकास का अधिकारी जानकी कार्यक्रम गिरीश कुमार ने मनमोहन सिंह रावत का कार्यालय में पहुंचकर स्वागत किया तथा छात्रों को शाल एवं माला पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर हरीश राम, सहायक प्रशिक्षक मोहित सिंह, सहायक प्रशिक्षक, सतनाम बाला, कॉन्ट्रैक्ट खेलो इण्डिया प्रशिक्षक (फुटबाल), कैलाश सिंह कनिष्ठ सहायक, शशि कनिष्ठ सहायक, धीरेंद्र जोशी, अनिल कुमार, गोपाल राम, महेन्द्र कुमार आदि मौजूद थे।

स्मैक के साथ एक गिरफ्तार जयंती पर डा. भीम राव अंबेडकर का भावपूर्ण स्मरण



गदरपुर(उद संवाददाता)। थाना अध्यक्ष जसपांडी चौहान के नेतृत्व में पुलिस टीम ने चैकिंग के दौरान ग्राम चकरपुर से एक सर्विध महिला रीना पत्नी गोविंद निवासी ग्राम बड़ाखेड़ा को गिरफ्तार किया कर उसके पास से 6.23 ग्राम अवैध स्मैक के अंतर्गत गिरफ्तार किया गया। उसके विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत कार्यवाही करते हुए थाना गदरपुर में अधियोग पंजीकृत किया गया। अधियुक्तों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस टीम में उपनिवासीक मुकेश मिश्र, मह

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

इजराईल और ईरान का टकराव

पिछले दो विश्व युद्धों के इतिहास से ज्यादातर लोग बाकिफ हैं। दो देशों के बीच शुरू हुआ टकराव कब एक युद्ध में बदल जाए, कब वह दोनों पक्षों के सहयोगी देशों के बीच फैल जाए और विश्व युद्ध की शक्ति ले ले, कहाँ नहीं जा सकता। विडंबना है कि अतीत के अनुभवों से सबक लेना जरूरी नहीं समझा जाता। अमूमन हर युद्ध में इसी गलती को दोहराया जाता है। अब इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष की आग अन्य देशों की ओर भी फैलती दिखने लगी है। गौरतलब है कि हाल ही में दमिश्क में ईरान के दूतावास पर इजराइल की ओर से हमला करने की खबर आई थी। उसमें ईरान के दो जनरलों की मौत हो गई थी। उसके बाद से ईरान ने इसे मुद्दा बनाया हुआ है और जवाबी कार्रवाई की धमकी दी है। मगर अब मामला धर्मकियों से आगे बढ़ गया लगता है और ईरान ने जिस तेवर में जवाबी कार्रवाई की बात की है, उससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। अमेरिका ने भी ईरान के हमले की तैयारी को लेकर चेतावनी दी है। भारत और अमेरिका सहित कई देशों ने अपने नागरिकों को सलाह दी है कि वे इस समय इजराइल और ईरान जाने से बचें। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा है कि जो लोग अभी ईरान या इजराइल में रह रहे हैं, वे वहां के भारतीय दूतावासों से संपर्क करें और अपना पंजीकरण कराएं। ईरान में फिलहाल लगभग चार हजार और इजराइल में साढ़े अठारह हजार भारतीय रहते हैं। मगर ईरान के तेवर तीखे होने के बाद जिस तरह युद्ध का दायरा फैलने की आशंका मंडराने लगी है, उसके मद्देनजर भारत सरकार इन दोनों देशों में रह रहे भारतीयों की संभावित निकासी के साथ-साथ अचानक पैदा होने वाली स्थितियों से निपटने की तैयारी कर रही है। जाहिर है, अगर किन्हीं बजहों से बातचीत के जरिए स्थिति को संभाला नहीं गया, युद्ध को टाला नहीं जा सका तो फिलहाल फिलिस्तीन और इजराइल के बीच चल रहे जंग का दायरा चिंताजनक स्तर तक फैल जा सकता है। इसलिए भारत या अन्य देशों का अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए समय रहते कदम उठाना जरूरी है।

सुल्तान की कुड़ली खँगाल रही पुलिस

नानकमत्ता। बाबा तरसम पस हृत्याकाड म सुल्तान सिंह का गिरफ्तारा के बाद पुलिस के हाथ कई महत्वपूर्ण सुराग लगे हैं। सूत्रों के अनुसार, पुलिस सुल्तान सिंह के करीबियों की कुँडली खंगाल रही है, जिससे वह उन प्रभावशाली लोगों तक पहुंच सके, जिनका सुल्तान को संरक्षण प्राप्त था। हरिद्वार में पुलिस एनकाउंटर में मारे गए शार्प शूटर अमरजीत सिंह से बिलासपुर निवासी सुल्तान के पुराने संरप्तक थे। अमरजीत भी बिलासपुर का ही रहने वाला था। सुल्तान ने अपने घर से ही अमरजीत के पैर का इलाज भी करवाया था। इसके बाद उसने सुल्तान को बाबा तरसेम सिंह की हत्या के लिए तैयार किया था। सूत्रों के मुताबिक, जेल में बंद सुल्तान का बाबा तरसेम सिंह की हत्या के घड़यंत्र में नामजद एक अन्य व्यक्ति से भी करीबी संरप्त होने का पता चला है। बाबा तरसेम सिंह की हत्या के घड़यंत्र में उसने कई लोगों को अपने साथ मिलाया था, जिनमें से अधिकतर लोगों को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। इसके बावजूद अभी भी कुछ प्रभावशाली लोग हैं, जो पुलिस की गिरफ्त से अब तक बाहर हैं। मामले में फरार दूसरे शार्प शूटर सर्बजीत सिंह की लोकेशन नहीं मिल पा रही है। उसकी तलाश में पुलिस टीमें दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और यूपी में दबिश दे रही है।

विदेशी समय-समय पर आते रहे हैं और भारतीय भी विदेश जाते रहे हैं। इन कारणों से जीन में मिलावट होती रही है। साफ है, आर्य भारत के ही थे। प्राफेसर शिंदे ने राखीगढ़ी के उत्थनन के समय बताया था कि अलग-अलग खुदाई में 106 से भी ज्यादा नर-कंकाल मिले हैं। साथ ही भिन्न आकार व आकृति के हवन-कुण्ड और कोयले के अवशेष मिले हैं। तथ है भारत में 5000 साल पहले हवन होते थे। यहाँ सरस्वती और इसकी सहायक दूसर्यवंती नदी के किनारे हड्पा सभ्यता के निशान मिले हैं। ये लोग सरस्वती की पूजा करते थे। ये आनुवाशिक अनुसंधान ऐतिहासिक-अवधारणाओं को बदलने के आधार बने हैं। ‘आर्यों’ के ऊपर ‘आनुवाशिकी’ आनुवाशिक के आधार पर इसके पहले भी एक शोध सामने आया है। उससे तय हुआ है कि भारतीयों की कोशिकाओं का जो आनुवाशिकी ढांचा है, वह बहुत पुराना है। डीएनए के आधार पर एक महत्पूर्ण खोज से साधित हुआ है कि भारत के बहुसंख्यक लोगों के दक्षिण भारतीय दो आदिवासी समुदाय पूर्वज हैं। मानव इतिहास के विकास क्रम में ये स्थितियां जैविक प्रक्रिया के रूप में सामने आई हैं। एक अन्य सूचना प्रौद्योगिकी तकनीक द्वारा किए गए अध्ययन ने तय किया है कि भगवान श्रीकृष्ण हिन्दू मिथक और पौराणिक कथाओं के काल्पनिक पात्र न होकर एक वास्तविक चरित्र नायक थे और कुरुक्षेत्र के मैदान में हकीकत में महाभारत युद्ध लड़ा गया था। आनुवाशिक संरचना के आधार पर हैदराबाद की संस्था ‘सेंटर फॉर सेल्युलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी’ के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए इस शोध से जो निष्कर्ष सामने आए थे, उनसे स्पष्ट हुआ था कि मूल भारतीय ही

जिसका सिलसिलेबार अध्ययन किया गया। जिससे तब हुआ कि भारतीयों की कोशिकाओं का संरचनात्मक ढांचा पांच हजार साल से भी ज्यादा पुराना है। इस आधार पर यह कहानी एकदम निराधार साबित हो जाती है कि भारत के लोग 3.5 हजार साल पहले किसी दूसरे देश से आक्रमणकारियों के रूप में यहां आए थे। यदि आए होते तो हमारा अनुवृशिक ढांचा भी 3.5 हजार साल से ज्यादा पुराना नहीं होता। क्योंकि जब वातावरण बदलता है तो आनुवृशिक ढांचा भी बदल जाता है। इस तथ्य को इस मिसाल से समझा जा सकता है, मसलन हमारे बीच से कोई व्यक्ति आज अमेरिका या ब्रिटेन जाकर रहने लग जाए तो उसकी जो चौथी-पांचवीं पीढ़ी होगी, उसकी सवा-डेह सौ साल बाद आनुवृशिक संरचना अमेरिका या ब्रिटेन निवासियों जैसी होने लग जाएगी। क्योंकि इन देशों के वातावरण का असर उसकी आनुवृशिक संरचना पर पड़ेगा। भारतीय संस्कृति के निर्माता और वेदों के रचयिता आर्य भारत के मूल निवासी थे। यदि प्राचीन भारतीय इतिहास को भारतीय दृष्टि से देखें तो आर्य भारत के ही मूल निवासी थे। पाश्चात्य इतिहास लेखकों ने पैने दो सौ साल पहले जब प्राच्य विषयों और प्राच्य विद्याओं का अध्ययन शुरू किया तो बड़ी कुटिल चतुराई से जर्मन विद्वान व इतिहासविद् मैक्समूलर ने पहली बार 'आर्य' शब्द को जाति सूचक शब्द से जोड़ दिया। वेदों का संस्कृत से जर्मनी में अनुवाद भी पहली बार मैक्समूलर ने ही किया था। ऐसा इसलिए किया गया जिससे आर्यों को अभारतीय घोषित किया जा सके। जबकि वैदिक युग में 'आर्य' और 'दस्यु' शब्द पूरे मानवीय

‘आर्य-पुरुष’ अथवा ‘आर्य-पुत्र’ नाम से संबोधित करती थी। इससे यह साक्षित होता है कि आर्य श्रेष्ठ पुरुषों का संकेत-सूचक शब्द था। ऋग्वेद, रामायण, महाभारत, पुराण व अन्य संस्कृत ग्रंथों में कहीं भी आर्य शब्द का प्रयोग जातिसूचक शब्द के रूप में नहीं हुआ है। आर्य का अर्थ ‘श्रेष्ठ’ अथवा ‘प्रेष्ठ’ भी है। वैदिक युग में तो वैसे भी जाति व्यवस्था थी ही नहीं। हाँ, वर्ण व्यवस्था जरूर अस्तित्व में आ गई थी। इसके अलावा वेद तथा अन्य संस्कृत साहित्य में कहीं भी उल्लेख नहीं है कि आर्य भारत में बाहर से आए। यदि आर्य भारत में बाहर से आए होते तो प्राचीन विपुल संस्कृत साहित्य में अवश्य इस घटना का उल्लेख व स्पष्टीकरण होता। ताजा शोधों का सार है कि सबसे पहले 65 हजार साल पहले अंडमान और दक्षिण भारत में लोगों का आगमन और आबादी का क्रम शुरू हुआ। इसके करीब 25 हजार साल बाद भारत में लोगों के आने का सिलसिला शुरू हुआ। इस अध्ययन दल के निदेशक डॉ लालजी सिंह का कहना था कि हम सब भारतीय उत्तर और दक्षिण के इन आदि पुरुषों की ही संताने हैं। सर्वां-अवर्ण जातियों और आदिवासियों के आनुवर्शक गुण व लक्षण कमेबेश एक जैसे हैं। इसलिए आर्य और द्रविड़, अनार्य के परिप्रेक्ष्य में कोई विभाजित रेखा खींचने की जरूरत नहीं रह जाती ? इस अध्ययन से सामने आया है कि जब भारतीय समाज में निर्माण की प्रक्रिया शुरू हुई तब अलग-अलग कबीलों या समूहों से जातियों का उदय हुआ। फलस्वरूप अखण्ड भारत का उत्तर और दक्षिण भारत में विभाजन तो व्यर्थ है ही कबीले और जातियां भी बेमानी हैं भाशा, रंग और नस्ल जैसे भेद भरे विभाजक छाया को भी नामजूर करते हैं। उत्तर और दक्षिण के विभाजन की बात तो अंग्रेज हुम्मरानों ने बांटी और राज करो के दृष्टिकोण के चलते की थी। उन्नीसवीं शताब्दी में योरोपीय विचारकों ने अपने वर्षों के लोगों को श्रेष्ठ साक्षित करने के नजरिए से रंग व नस्ल के आधार पर श्रेष्ठता की अवधारणा गढ़ी। मसलन गोरा रंग श्रेष्ठ माना गया। इसी के अनुसार गोरे, गेहूंएं और तांबड़ त्वचा वाले उत्तर भारतीय श्रेष्ठ और काले या सांवले रंग वाले दक्षिण भारतीय हेय मान लिए गए। उत्तर की भाषा संस्कृत और दक्षिण की भाषाओं को भिन्न परिवारों में रखा गया। जबकि इन सभी भाषाओं की जननी संस्कृत रही है। गंगा धाटी से आयरलैंड तक की भाषाएं एक ही आर्य परिवार की आर्य भाषाएँ हैं। इसी कारण इन भाषाओं में लिपि एवं उच्चारण की भिन्नता होने के बावजूद अप्रेशी समझूलता है और इन भाषाओं का उदाम स्वोत संस्कृत है। इससे भी यह निष्प्रत होता है कि आदिकाल में एक ही परिवार की आर्य भाषाएं बोलने व लिखने वाले पूर्वज कहीं एक ही स्थान पर रहे हैं। बंगाली इतिहासकार ए.सी. दास इस स्थान अथवा मूल भारतीयों का निवास स्थल ‘सप्त सिंधु’ मानते हैं जो पंजाब में था। अब आर्यों के मूल भारतीय होने की अवधारणा को मान्यता मिल रही है। तब इतिहास के इस तथ्य के बदलाव को केवल शालेय पुस्तकों में परिवर्तन तक सीमित न रखते हुए उच्च शिक्षा में भी बदलाव किए जाने जरूरी हैं। अतएव नए शोधों से आए परिणाम की इस सैद्धांतिकी को स्वीकारा जाना चाहिए।

—प्रमोद भार्गव, लेखक,
साहित्यकार व वरिष्ठ पत्रकार हैं।

आचार्य प्रशांत ने किया छात्रों के साथ संवाद

नई दिल्ली। प्रशंसात अद्वैत फाउण्डेशन के संस्थापक एवम पूर्व सिविल सेवा अधिकारी आचार्य प्रशान्त ने आईआईटी के छात्रों के साथ मानसिक स्वास्थ्य को लेकर संवाद किया। तथा कहा कि मन व अध्यात्म का बहुत गहरा संबंध है, अध्यात्म से मन का साधा जा सकता है, यह आंतरिक शारीरिक मजबूत करता है बदलते हैं, नौकरी बदलते हैं बदल के भी मन को शा इ। उन्होंने कहा कि मन व उसके बिना वो रुकेगा नहीं वो इधर उधर, भागत है तुम जिधर को भी भागते भागते हो ना की ये मिल बाद और कुछ नहीं चाहिए।

मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत रखने का एक तरीका भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि यहां तक छक्के जो लोग किसी धर्म का पालन नहीं करते हैं वे भी आध्यात्मिकता से लाभ प्राप्त कर सकते हैं, क्योंकि यह धर्मनिषेध समुदायों के बीच एक प्रचलित अवधारणा है कि अध्यात्म केवल कुछ लोगों के लिए है जो एक धर्म विशेष से जुड़े खतरा है, और हमें ठीक होने की जरूरत है क्योंकि हम गलत हैं? तो हम अपनी फिक्र नहीं करना चाहते। उन्होंने कहा कि इंसानियत जिस तरीके से जी रही है, और जो हमने अभी पूरे तरीके से अहंकार पर आधारित जीने का ढाँचा बना रखा है, वो या तो हमें बाहर से मार देगा। और अगर बाहर से नई मारता संयोगवश, तो भीतर



और खुद से बड़ी ताकत से जुड़ाव की भावना प्रदान करता है। रविवार को आईआईटी के डोगरा हाल में अलुमनाई एसोसिएशन के तत्वावधान में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर आयोजित कार्यशाला का प्रशांत अद्वृत फाउंडेशन के संस्थापक आचार्य प्रशांत ने दीप प्रज्ञवलित कर शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि मन का पूरा माहौल तेजी से बदलता है, हम क्या नहीं बदल देते और सब कुछ बदल के भी हमें चौंक कहाँ मिलता है। लोग घर

पता हो की जिस तरफ तुम भाग रहे हो, उसके मिलने के बाद भी तुम्हें और चाहिए होगा, तो उसकी ओर भागोगे ? आचार्य प्रशंसन ने कहा कि आगे निकलने की होड़ व भागदौड़ भरी जिंदगी में इंसान अकेला हो गया है हम क्या हैं क्यों जी रहे हैं, हमारा उद्देश्य क्या है हमें पता ही नहीं होता, इन्हीं वजहों से युवाओं में मानसिक अवसाद की स्थिति उत्पन्न हो रही है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले हमें खुद को जानना होगा उसके लिए अध्यात्म ही हमारी मदद कर सकता है, अध्यात्म ही रोजर्मर्झ की जिंदगी में आने वाले तनाव को दूर कर सकता। उन्होंने कहा कि शोध से यह सिद्ध हो गया है कि आध्यात्मिकता मन और शरीर दोनों को लाभ पहुंचा सकती है। आध्यात्मिक अभ्यास उन्हें नकारात्मक भावनाओं को कम करने, अर्थ खोजने और दूसरों के साथ अपने संबंधों को गहरा करने में मदद करते हैं। आध्यात्मिकता आत्मसम्मान, आत्मविश्वास, आत्म-^f नयंत्रण की कमी और दैनिक कार्यों और चुनौतियों से डर जैसे मुद्दों को दूर करने में मदद कर करती है। यह सीधे तौर पर

हैं लेकिन ऐसा नहीं है अध्यात्म हर इंसान के लिए जरूरी है।उन्होंने कहा कि लोगों ने कभी भी आध्यात्मिक संसाधनों का उपयोग करना सीखा ही नहीं, जबकि वे ऐसा बहुत आसानी से कर सकते हैं।आचार्य प्रशांत ने कहा युवाओं को सही मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है लेकिन वह उन्हें मिल नहीं पाता। कैरियर बनाने के लिए कोई भी काम नहीं चुना जा सकता सही काम का चुनाव करना होता है, सही काम का चुनाव होता है आत्मज्ञान से। उन्होंने कहा कि पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है, ये एक चिंता का विषय है लेकिन हम भोग में इन्हें लिप्त हैं कि हमें समझ ही नहीं आ रहा अब हमारे पास बहुत ज्यादा समय नहीं है केवल दो साल बचे हैं यदि हम अभी भी नहीं जाएं तो फिर बहुत देर हो जाएंगी और फिर महाविनाश तय है। पर अपनी फिक्र हम नहीं करते, जानते हो उसमें धरणा क्या बैठी हुई है? 'हम तो सही हैं, हमें थोड़े ही जरूरत है अपनी फिक्र करने की' अगर अपनी फिक्र करनी है, तो उसके लिए सबसे पहले स्वीकार करना पड़ेगा न, कि हमारे ऊपर से तो हमारा विनाश सुनिश्चित ही है, उन्होंने कहा कि आज इस दुनिया में जो अनुपात है, मनोरोगियों का, उतना कभी भी नहीं था। आज जो औसत तनाव के स्तर हैं, इतने द्वितीय विश्व-युद्ध के समय भी नहीं थे, सैनिकों में भी नहीं पाये जाते थे जितने आज आम आदमी में होते हैं। शोध पत्र को देखो। आज जितने मामले डिप्रेशन मानसिक विकार के होते हैं, उतने कब होते थे? हम बहुत तेजी से एक ऐसी दुनिया की ओर बढ़ रहे हैं जिसमें हर आदमी पागल होगा; बाहर से स्वस्थ होगा और भीतर-ही-भीतर साइको (पागल)। अब क्या करेगे। सत्र से पूर्व एलुम्नाई एसोसिएशन के सचिव पंकज कपड़िया ने आचार्य प्रशांत को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।इस दौरान आईआईटी दिल्ली के छात्र, फेलटी व देशभर के साध को ने प्रतिभाग किया।सत्र के बाद आचार्य प्रशांत ने आईआईटी दिल्ली के छात्रों को स्वयं उनके द्वारा बनाया गया एक होलिस्टिक इंडिविजुअल डेवलपमेंट प्रोग्राम तोहफे में दिया जिससे वे अपना आंतरिक विकास आध्यात्मिक तरीके से कर सकें।

पाठ्य पुस्तकों में आर्यों का बदलने लगा इतिहास

राष्ट्रीय शैक्षिक एवं अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) की पुस्तकों में पढ़ाए जाने वाले भारत के इतिहास में आर्य अब आक्रामणकारी नहीं, बल्कि भारतीय मूल के रूप में दर्शाएँ गए हैं। 21 वर्ष की खींचतान और दुनियाभर में हुए अध्ययनों के बाद अखिलकार यह तथ्य हो गया कि 'आर्य सभ्यता' भारतीय ही थी। राखीगढ़ी के उत्खनन से निकले इस सच को देश के पाठ्यक्रमों में शामिल करने का श्रेय 'राखीगढ़ी' मैन के नाम से प्रसिद्ध हुए प्राध्यापक वसंत शिंदे को जाता है। एनसीईआरटी की कक्षा 12वीं की किताबों में बदलाव किया गया है। इसमें इतिहास की पाठ्य पुस्तक में 'ईट, मोती और हड्डियाँ: हड्डपा सभ्यता' नामक पाठ में आर्यों को मूल भारतीय होना बताया है। इसके अलावा कक्षा 7, 8, 10 और 11 के इतिहास और समाजशास्त्र के पाठ्यक्रमों में भी बदलाव किया गया है। इतिहास तथ्य और घटना के सत्य पर आधारित होता है। इसलिए इसकी साहित्य की तरह व्याख्या संभव, नहीं है। विचारधारा के चरमे से इतिहास को देखना उसके मूल से खिलवाड़ है। पांच अब आर्यों के भारतीय होने के संबंध में एक के बाद एक शोध आने के बाद इतिहास बदला जाने लगा है। इस सिलसिले में पहला शोध स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय के टॉमस कीवीशील्ड ने किया था। 2003 में 'अमेरिकन जर्नल ऑफ ह्यूमन जेनेटिक्स' में प्रकाशित इस शोध-पत्र में सबसे पुरानी जाति और जनजाति के वंशाणु (जीन) के आधार पर आर्यों के भारत का मूल निवासी बताया गया था। हालांकि वर्ष 2009 में वाराणसी हिंदू विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. लालजी सिंह और प्रो. थंगराज ने भी आनुवांशिक परीक्षण के बाद आर्यों को मूल भारतीय बताया था। 2019 में प्रो. वसंत शिंदे द्वारा राखीगढ़ी उत्खनन से मिले 4000 साल पुराने वंशाणु की जांच में सबसे बड़ा साधन कि राखीगढ़ी अधिक आधार भारतीय निर्मित पाठ्यक्रम बनने पर पाठ्यक्रम में मारठा के साथ है। इसी विषय विचार है बदलाव में मिले हैं। गोयन कि आर्यों की भारतीय आर्य भारत के हिस्से पुरातत्व दो मानव निष्कर्ष कंकालों इनके ब अध्ययन भारत से पुणे, संस्कूल ज किया है स्पष्ट है भारतीय सबसे ब एकड़ म 2015 हमलाव नरसंहार शरीर प संस्कृति

सामने आया। शोध में पाया गया राखीगढ़ी से मिला जीन वर्तमान के भारतीय व्यक्ति में उपलब्ध हैं। इसके पर यह तथ्य स्थापित हुआ कि सभ्यता और संस्कृत आर्यों के द्वारा है। एनसीआईटी के इतिहास कम निर्धारण समिति के अध्यक्ष और प्रोफेसर ने इस तथ्य के आधार पर में संशोधन कराए हैं। इसी पुस्तक ने शासक छत्रपति शिवाजी के नाम छत्रपति और महाराज जोड़ा गया तरह कक्षा 12वीं के समाजशास्त्र के पाठ्यक्रम से सांप्रदायिक दर्शनों के टाय गए हैं। इतिहास पुस्तकों में यह सिनलौ-राखीगढ़ी में हुए उत्खननों साक्ष्यों के आधार पर संभव हुआ। अब यह अवधारणा पलट गई है कि न तो विदेशी थे और न ही उन्होंने भारत पर आक्रमण किया। अतएव भारत के मूल निवासी थे। हरियाणा गढ़ जिले के राखीगढ़ी में की गई यह खुदाई में 5000 साल पुराने मिले ब्रह्मकंकालों के डीएनए अध्ययन के से यह धारणा सामने आई है। इन दर्शनों में एक पुरुष और एक स्त्री का था। इनमें नमूने लेकर उनका आनुवाशिक पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग, भरकर, डेक्कन विश्व-विद्यालय और सीएमबी हैरबाबाद और हार्वर्ड ऑफ मेंडिसन बोस्टन यूनिवर्सिटी ने दी। इस डीएनए विश्लेषण में यह भी पाया गया है कि आर्य और द्राविड़ मूल हैं। राखीगढ़ी हड्ड्या सभ्यता के बढ़े केंद्रों में से एक है। करीब 300 में फैले इस क्षेत्र में पुरातत्वविदों ने में उत्खनन किया था। अर्थ वर के रूप में विदेश से आए होते और किया होता तो मानव कंकालों के बार घावों के निशान होते। भारतीय और भाषाएं नष्ट हो गई होतीं। ऐसा

‘आर्य’ थे। इस शोध का आधार भारतीयों की कोशिकाओं का अनुवर्शिक ढांचा है, जिसका सिलसिलेबार अध्ययन किया गया। जिससे तब हुआ कि भारतीयों की कोशिकाओं का संरचनात्मक ढांचा पांच हजार साल से भी ज्यादा पुराना है। इस आधार पर यह कहानी एकदम निराधार साबित हो जाती है कि भारत के लोग 3.5 हजार साल पहले किसी दूसरे देश से आक्रमणकारियों के रूप में यहाँ आए थे। यदि आए होते तो हमारा अनुवर्शिक ढांचा भी 3.5 हजार साल से ज्यादा पुराना नहीं होता। क्योंकि जब वातावरण बदलता है तो आनुवर्शिक ढांचा भी बदल जाता है। इस तथ्य को इस मिसाल से समझा जा सकता है, मसलन हमारे बीच से कोई व्यक्ति आज अमेरिका या ब्रिटेन जाकर रहने लग जाए तो उसकी जो चौथी-पांचवीं पीढ़ी होगी, उसकी सवा-डेढ़ सौ साल बाद आनुवर्शिक संरचना अमेरिका या ब्रिटेन निवासियों जैसी होने लग जाएगी। क्योंकि इन देशों के वातावरण का असर उसकी अनुवर्शिक संरचना पर पड़ेगा। भारतीय संस्कृति के निर्माता और वेदों के रचयिता आर्य भारत के मूल निवासी थे। यदि प्राचीन भारतीय इतिहास को भारतीय दृष्टि से देखें तो आर्य भारत के ही मूल निवासी थे। पाश्चात्य इतिहास लेखकों ने पैने दो सौ साल पहले जब प्राच्य विषयों और प्राच्य विद्याओं का अध्ययन शुरू किया तो बड़ी कुटिल चतुराई से जर्मन विद्वान व इतिहासविद् मैक्समूलर ने पहली बार ‘आर्य’ शब्द को जाति सूचक शब्द से जोड़ दिया। वेदों का संस्कृत से जर्मनी में अनुवाद भी पहली बार मैक्समूलर ने ही किया था। ऐसा इसलिए किया गया जिससे आर्यों को अभारतीय घोषित किया जा सके जबकि वैदिक युग में ‘आर्य’ और ‘दस्यु’ शब्द पूरे मानवीय

चरित्र को दो भागों में बांटते थे। प्राचीन साहित्य में भारतीय नारी अपने पति को 'आर्य-पुरुष' अथवा 'आर्य-पुत्र' नाम से संबोधित करती थी। इससे यह समित होता है कि आर्य श्रेष्ठ पुरुषों का संकेत-सूचक शब्द था। ऋग्वेद, रामायण, महाभारत, पुराण व अन्य संस्कृत ग्रंथों में कहीं भी आर्य शब्द का प्रयोग जातिसूचक शब्द के रूप में नहीं हुआ है। आर्य का अर्थ 'श्रेष्ठि' अथवा 'श्रेष्ठ' भी है। वैदिक युग में तो वैसे भी जाति व्यवस्था थी ही नहीं। हाँ, वर्ण व्यवस्था जरूर अस्तित्व में आ गई थी। इसके अलावा वेद तथा अन्य संस्कृत साहित्य में कहीं भी उल्लेख नहीं है कि आर्य भारत में बाहर से आए। यदि आर्य भारत में बाहर से आए होते तो प्राचीन विपुल संस्कृत साहित्य में अवश्य इस घटना का उल्लेख व स्पष्टीकरण होता। ताजा शोधों का सार है कि सबसे पहले 65 हजार साल पहले अंडमान और दक्षिण भारत में लोगों का आगमन और आबादी का क्रम शुरू हुआ। इसके करीब 25 हजार साल बाद भारत में लोगों के आने का मिलिला शुरू हुआ। इस अध्ययन दल के निदेशक डॉ लालजी सिंह का कहना था कि हम सब भारतीय उत्तर और दक्षिण के इन आदि पुरुखों की ही संतानें हैं। स्वर्ण-अवरण जातियों और आदिवासियों के आनुवंशिक गुण व लक्षण कमोबेश एक जैसे हैं। इसलिए आर्य और द्रविड़, अनर्य के परिप्रेक्ष्य में कोई विभाजित रेखा खींचने की जरूरत नहीं रह जाती ? इस अध्ययन से सामने आया है कि जब भारतीय समाज में निर्माण की प्रक्रिया शुरू हुई तब अलग-अलग कबीलों या समूहों से जातियों का उदय हुआ। फलस्वरूप अखण्ड भारत का उत्तर और दक्षिण भारत में विभाजन तो व्यर्थ है ही कबीले और जातियां भी बेमानी हैं क्योंकि सभी भारतीय समुदाय व जातियां एक ही कुटुम्ब से विकसित हुए हैं। ये शोध भाषा, रंग और नस्ल जैसे भेद भरे विभाजक छज्ज को भी नामंजूर करते हैं। दरअसल उत्तर और दक्षिण के विभाजन की बात तो अंग्रेज हुम्मरानों ने बांटों और राज करो के दृष्टिकोण के चलते की थी। उन्नीसवीं शताब्दी में योरोपीय विचारकोंने अपने वर्षों के लोगों को श्रेष्ठ साकित करने के नजरिए से रंग व नस्ल के आधार पर श्रेष्ठता की अवधारणा गढ़ी। मसलन गोरा रंग श्रेष्ठ माना गया। इसी के अनुसार गोरे, गेहूंएं और तांबंड त्वचा वाले उत्तर भारतीय श्रेष्ठ और काले या संबंदे रंग वाले दक्षिण भारतीय हेय मान लिए गए। उत्तर की भाषा संस्कृत और दक्षिण की भाषाओं को भिन्न परिवारों में रखा गया। जबकि इन सभी भाषाओं की जननी संस्कृत रही है। गंगा धाटी से आयरलैंड तक की भाषाएं एक ही आर्य परिवार की आर्य भाषाएं हैं। इसी कारण इन भाषाओं में लिपि एवं उच्चारण की भिन्नता होने के बावजूद अप्रभ्रंणी समरूपता है और इन भाषाओं का उद्याम स्त्रोत संस्कृत है। इससे भी यह निष्चित होता है कि आदिकाल में एक ही परिवार की आर्य भाषाएं बोलने व लिखने वाले पूर्वज कहीं एक ही स्थान पर रहे हैं। बंगाली इतिहासकार ए.सी. दास इस स्थान अथवा मूल भारतीयों का निवास स्थल 'सप्त सिंधु' मानते हैं जो पंजाब में था। अब आयों के मूल भारतीय होने की अवधारणा को मान्यता मिल रही है। तब इतिहास के इस तथ्य के बदलाव को केवल शालेय पुस्तकों में परिवर्तन तक सीमित न रखते हुए उच्च शिक्षा में भी बदलाव किए जाने जरूरी हैं। अतएव नए शोधों से आए परिणाम की इस सैद्धांतिकी को स्वीकारा जाना चाहिए।

-प्रमोद भार्गव, लेखक,
साहित्यकार व वरिष्ठ पत्रकार हैं।

कांग्रेसियों की 'रार' से प्रकाश जोशी की बढ़ी दिवकरों

-अर्ण-

रुद्रपुर के कांग्रेस नेताओं में वर्चस्व की लड़ाई सतह पर आई, चला अनुशासन का चाबुक पार्टी से निष्कासित पूर्व महानगर अध्यक्ष तथा निर्वतमान पार्षद ने कार्यवाही पर उठाए सवाल लगाते हुए, दोनों ही कांग्रेसी नेताओं को 6 वर्ष के लिए कांग्रेस से निष्कासित कर दिया। पार्टी से अपने निष्कासन की खबर पाते ही पूर्व महानगर अध्यक्ष जगदीश तनेजा एवं पूर्व पार्षद रमेश कालड़ा ने एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर, अपने निष्कासन की कार्यवाही की वैधानिकता पर सवालिया निशान लगाते हुए, कांग्रेस के जिला अध्यक्ष एवं महानगर अध्यक्ष के भीतर स्थानीय कांग्रेस के दो गुटों के नेताओं की आपसी कलह ने कुछ ऐसी करवट ली, कि कांग्रेस के जिला अध्यक्ष हिमांशु गाबा एवं महानगर अध्यक्ष सीपी शर्मा ने, पूर्व महानगर अध्यक्ष जगदीश तनेजा एवं पूर्व पार्षद रमेश कालड़ा पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्त रहने का आरोप



अध्यक्ष की ताजपोसी के समय से ही तलवारे खिची चली आ रही है और उनमें वर्चस्व के लिए उठा पटक जारी है। हालांकि स्थानीय स्तर पर पार्टी की इस गुटबाजी से कांग्रेस का प्रदेश नेतृत्व भी वाकिफ़ है, लेकिन प्रदेश नेतृत्व की ओर से इस गुट बाजी को समाप्त करने का कभी कोई प्रयास नहीं किया गया

और ना ही पार्टी का अनुशासन तोड़ने वाले नेताओं के विरुद्ध कभी कोई अनुशासनात्मक कार्यवाही ही की गई। जबकि कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व को चाहिए था कि वह पार्टी के लोकसभा प्रत्याशी की घोषणा होने के बाद अपनी देखरेख में पार्टी के समस्त नेताओं एवं कार्यकर्ताओं की एक संयुक्त मीटिंग

और ही होती। पर अब ऐसा लगता है जैसे कांग्रेस नैनीताल-उथमसिंहनगर संसदीय सीट की चुनावी लड़ाई में काफी पीछे रह गई है और मतदान के ठीक पहले कांग्रेस नेताओं की सतह पर आई आपसी लड़ाई और पुराने नेताओं पर चला अनुशासन का यह चाबुक, कांग्रेस की संभावनाओं को और भी कमज़ोर कर देगा। कायदे से कांग्रेस संगठन को पार्टी नेताओं को अनुशासन से बांधने की कोशिश निकाय चुनाव एवं विधानसभा चुनाव की हार के तुरंत बाद ही कर्सी चाहिए थी, कर्मकांड उपरोक्त देनों ही चुनाव में पार्टी नेताओं-कार्यकर्ताओं की आपसी गुटबाजी ने कांग्रेस के प्रत्याशियों को जीत की दौड़ से बाहर कर दिया था। साफ है कि कांग्रेस नेतृत्व ने अगर गुटबाज और अनुशासनहीन नेताओं के कान पहले ही उमेट दिए होते, तो लोकसभा चुनाव के ऐन पहले कांग्रेस की ऐसी भद्द नहीं पिटती।

लालकुंआ में अजय भट्ट ने किया धुंआधार चुनाव प्रचार



लालकुंआ(उद संवाददाता)। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री नैनीताल ऊधमसिंहनगर लोकसभा सीटसे भाजपा प्रत्याशी अजय भट्ट ने रविवार को विधायक मोहन सिंह बिष्ट के साथ लालकुंआ विधानसभा के अंतर्गत बिन्दुखता के कार रोड में जनसंपर्क किया और विभिन्न क्षेत्रों में ताबड़ोड़ जनसम्पर्क कर लोगों से आगामी 19 अप्रैल को भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने कहा कि जिस उम्मीद के साथ जनता ने उन्हें सांसद चुना, उन उम्मीदों पर वह पूरी तरह खग उत्तरा नैनीताल-ऊधमसिंह नगर सीट से भाजपा प्रत्याशी अजय भट्ट ने कहा कि भले ही वे लगातार लोगों से नहीं मिल पाए हो कहा कि उम्मीद है कि 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए मोदीजी की गारंटी के

जनता पूरे विश्वास से कह रहा है कि फिर एक बार, मोदी सरकार : अजय भट्ट

साथ भाजपा ने अपना संकल्प पत्र जारी कर दिया है। भाजपा का घोषणा पत्र हर वर्ग के लिए जनकल्याणकारी सांवित होगा। इस दौरान उन्होंने कहा कि जनता का समर्थन भाजपा के साथ है और हर वर्ग आज पूरे विश्वास से कह रहा है कि फिर एक बार, मोदी सरकार। अजय भट्ट ने कुमाऊंनी में संबोधित करते हुए कहा कि जल जीवन मिशन योजना के तहत उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र में 2100 करोड़ रुपये स्वीकृत कराए। कहा कि किछी में स्थित एस्स की सैटेलाइट शाखा को विकसित कराया। उन्होंने जमरानी बांध, नैनीताल डबल लेन के लिए ऐसे मंजूर कराने समेत अन्य उपलब्धियां गिनाई। कहा कि उम्मीद है कि बिंदुखता को

राजस्व गांव का दर्जा भी जल्द मिल जाएगा। रोड शो के दौरान अजय भट्ट ने कहा कि कहा कि केंद्र सरकार के प्रयास से न सिर्फ सड़क की कनेक्टिविटी बढ़ी है, बल्कि डिजिटल सुविधाएं भी बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि सशक्त भारत के लिए मोदी सरकार जरूरी है। भाजपा प्रत्याशी अजय भट्ट ने कहा कि आज गांवों में आधुनिक सुविधाएं विकसित हुई हैं। भाजपा की दस वर्ष की मोदी सरकार के कार्यकाल में महिला सशक्तिकरण हुआ है। आज हर क्षेत्र में महिलाएं अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। देश की 10 करोड़ बहनों को स्वयं सहायता समझौते से जोड़ा है। कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में जितनी तेज गति से सड़कों का निर्माण

कार्य हुआ है, उतना 70 सालों में नहीं हुआ। रेलवे से लेकर हवाई यातायात तक की सुविधाएं बढ़ी हैं। सांसद अजय भट्ट ने कहा कि राम मंदिर का प्रकरण सालों से लंबित था। भाजपा ने मंदिर निर्माण का प्रण लिया और उसे पूरा कर दिखाया। कहा कि सशक्त भारत के लिए केंद्र में नेतृत्व वाली सरकार जरूरी है। जनता ने फिर मन बना लिया है देश में मोदी सरकार लाने का। वहीं लालकुंआ विधानसभा के हल्दुचौड़ मंडल में हल्दुचौड़ नया बाजार, हरिपुर बच्ची, जयपुर खीमा, हाथीखाल, तल्ली हल्द्वानी में जनसंपर्क किया और देवतुल्य जनता से 19 अप्रैल को कमल का बटन दबाकर भाजपा को भारी मतों को विजयी बनाने की अपील की। जनसंपर्क अभियान के तहत लालकुंआ में आयोजित जनसभा

में जनता को संबोधित किया। इस अवसर पर भाजपा की नीतियों से प्रभावित होकर अन्य पार्टी के कार्यकर्ताओं व पदाधि कारियोंने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। लालकुंआ विधानसभा में गौलापार मण्डल के बागजाला, और काठबास, जीतपुर चोरगालिया में जनसंपर्क किया। इस दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों से आए हुए लोगोंने भाजपा की सदस्यता ली। और उपस्थित लोगोंसे आगामी 19 अप्रैल को भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में मतदान करने की अपील की। लालकुंआ विधानसभा के हल्दुचौड़ मंडल में हल्दुचौड़ नया बाजार, हरिपुर बच्ची, जयपुर खीमा, हाथीखाल, तल्ली हल्द्वानी में जनसंपर्क किया और देवतुल्य जनता से 19 अप्रैल को कमल का बटन दबाकर भाजपा को भारी मतों को विजयी बनाने की अपील की। जनसंपर्क अभियान के तहत लालकुंआ में आयोजित जनसभा

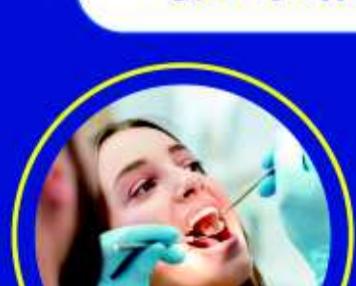
गुरु माँ एडवांस डेंटल क्लीनिक

WORLD-CLASS DENTAL CARE NOW IN YOUR CITY

रुट कैनाल विशेषज्ञ

डेंटल इम्प्लांट

टेढ़े-मेढ़े दांतों का इलाज



डॉ. ऑफिल छिंगरा

बी.डी.एस, एम.डी.एस. एंडोबोनिटस्ट
रुट कैनाल स्पेशलिस्ट, कॉम्प्रेसिटिक डेंटीस्ट
सर्टिफाइड एस्टेटिक डेंटीस्ट

Guru Maa Advanced Dental Care "A Multi Speciality Dental Clinic"

१ प्लॉट नं १, सिविल लाइन्स, रुद्रपुर | ७४५२८८००१८, ०५९४४-२४५६६६